

वत्र नृत्यादिकं भवति । सो संगतिशाली Sch. zu Çik. 59, 2. Gegens. दारिद्र्य

H. 337. MED. r. 117. PAÑKĀT. II, 70, 110, 23. HIT. I, 13. — 3) m. Gemahl N. 4, 2, 11, 8. am Ende eines adj. comp. f. भा MBh. 3, 16131. 14, 1940. — 4) m. die oberste Gottheit: तस्यार्थं सर्वभूतानां गोप्तारं धर्ममात्मजम् । ब्रह्मतेजोमयं दण्डमसृजत्पूर्वमीश्वरः ॥ M. 7, 14. JĀGŪ. 3, 34. SUÇR. 2, 53, 6. VP. 2 (Viṣṇu). PRAB. 9, 9, 110, 10. fg. COLEBR. Misc. Ess. I, 230. 244. 251. 381. 407. देवा ईश्वराः R. 6, 101, 11. N. 4, 6. BURN. Lot. de la b. I. 3. Insbesondere heisst so: a) Çiva AK. 4, 1, 1, 26. TRIK. 3, 3, 330. H. 196. an. 3, 523. MED. r. 117. GṚHJASĀNGR. 1, 7. SUÇR. 4, 311, 5. RAGH. 3, 52. KATHĪS. 10, 33. — b) ein Rudra MBh. 1, 2567. 4826. HARIV. 14170. VĀJU-P. in VP. 121, N. 17. — c) der Liebesgott TRIK. H. an. MED. — d) die Seele (आत्मन्) TRIK. 1, 1, 114. — 5) N. pr. eines Fürsten MBh. 1, 2701. LIA. I, Anh. N. 5. — 6) f. ० री und ० री ein Bein. der Durgā AK. 1, 1, 1, 32. TRIK. 1, 1, 53. 3, 3, 330. H. 204. c. 53. an. 3, 523. MED. r. 117. — Vgl. अनीश्वर.

ईश्वरकृत् (ई० + कृ०) m. N. pr. des Verfassers der SĀMĀKṢĀRIKĀ SĀMĀKṢĀK. 71.

ईश्वरगीता (ई० + गी०) f. pl. = भगवद्गीता (?) COLEBR. Misc. Ess. I, 333. ein Abschnitt im KŪRMA-P. Verz. d. B. H. 128.

ईश्वरता (von ईश्वर) f. Oberherrschaft: ईश्वरतेयमीशितुः PRAB. 108, 15.

ईश्वरत्व (wie eben) n. dass.: ईश्वरत्वं पृथिव्याश्च (obj.) MBh. 2, 1695. विज्ञोः (subj.) HARIV. 2380. यदस्य दास्यं तव चेश्वरत्वम् MĀKṢH. 123, 18.

ईश्वरदत्त (ई० + द०) m. N. pr. eines Fürsten LIA. II, 737.

ईश्वरसन्तान् (ई० + स०) n. Tempel AK. 2, 2, 10.

ईश्वरानन्द (ई० + आ०) m. N. pr. eines Scholiasten COLEBR. Misc. Ess. II, 40. Ind. St. 4, 142, N. Verz. d. B. H. No. 727.

ईष्, ईषते (mit praep. auch act.); perf. ईषे; enteilen, fliehen: प्रारम्भेव त्वेषादीषते वयः RV. 1, 141, 8. अस्मादहं तं विषादीषमाणं इन्द्राद्विषा र्जमानः 171, 4. 8, 83, 7 (AIT. Br. 3, 20). 4, 88, 6. 5, 34, 4. उतानां ईषते वृत्त्यावतः 83, 2. 4, 84, 17. 6, 66, 4. 8, 43, 37. KUNTĀPA 1, 2. Nir. 4, 2. act. partic. ईषत् (feindlich) anfallend: विष्वास्मादीषतो यत्मानस्य परिधिः TS. 1, 1, 11, 1. Nach NAIGH. 2, 14 ist ईष्, ईषति ein verb. der Bewegung; nach DŪTUP. 17, 33 bedeutet ईष्, ईषति Aehren lesen, nach 16, 10 ईष्, ईषते gehen; verletzen; sehen. — Viell. desider. von 3. ई; vgl. auch एष्.

— अयं sich entfernen von: कृष्णायमानो अयं हि मदैषैः (redupl. aor.) RV. 5, 2, 8.

— आ med. selten act. herbeieilen, zustreben auf; losgehen auf; erstreben, begehren: सदनं धिया कृतं किरणयमासदं देव एषति RV. 9, 71, 6. प्रति दुष्णा गमेस्त्योगर्वा वृत्रघ्न एषते 5, 86, 3. 1, 149, 1. 8, 85, 3. आ यो नो अयं एषते 1, 39, 8. घृपतं तमिदेषते 6, 42, 3. देवं वै अयं संवितारमेयं बित्तं अयेन 5, 49, 1. त्वामिदं यमुर्म कामो गच्छुर्किरणययुः । त्वामिदं युरेषते 8, 67, 9. अयस्य यद्भिन्दे रत्न एषत् Schaden suchend 10, 89, 14. तत्सु वामेषते मृतिरत्रिय एषते मृतिः 5, 67, 8. अयस्वत्तः अय एषत पद्माः 4, 126, 5.

— उपा angehen: उप व एषे नमसा जिगीषा RV. 1, 186, 4.

— उद् emporsteigen: सोमपीथ एष उदीपति यत्करीराणि KĀTH. 36, 17. part. उदीपित emporgestiegen, erhoben: अभिन्ध्यमुदीपितः RV. 10, 119, 12.

— समुद् ganz, vollständig emporsteigen: दधो मध्यमानस्य यो ऽणिमा स उर्ध्वः समुदीपति तत्सर्पिर्भवति KĀND. UP. 6, 6, 1.

— उप losgehen auf: या न उपेये यत्रैः RV. 1, 129, 8.

— प्रति entgegenstrecken: प्रतीपितयोवः KĀTH. 13, 3.

— वि auseinander gehen, sich dehnen: वैल्लवं वामनमालभेत — एतस्मिन्वै तत्सकृन्मध्यतिष्ठत्स व्यैषदधिष्ठीयमानस्तस्मादेष तिर्थक्षिब्ध वीपितः KĀTH. 13, 3.

— सम् sich strecken KĀTH. 13, 3. part. समीपित gestreckt ebend. तस्मादेव वामनः समीपितः पशुभ्य एव प्रजातेभ्यः प्रतिष्ठो दधाति TS. 2, 1, 5, 2.

ईष m. 1) = इष MATHURĀN. zu AK. 4, 1, 3, 17. — 2) N. pr. ein Sohn des 3ten Manu HARIV. 424. Da der Name in Verbindung mit ऊर्ज auftritt, ist auch hier इष als die richtigere Form anzunehmen. इष oder इष ein Diener Çiva's VĀṢI zu H. 210.

ईषण (von ईष्) 1) adj. eilend, zur Erkl. von इषिर् Nir. 4, 7. — 2) f. ०णा ngm. act. Vop. 26, 194.

ईषणिन् adj. eilend, zur Erkl. von इष्मिन् Nir. 4, 16.

ईषैत् gaṇa स्वरादि zu P. 4, 1, 37. adv. wenig, leicht, etwas AK. 3, 5, 8. H. 1536. तानीषद्विषोपतप्य ÇAT. Br. 2, 5, 2, 14. (यः) ईषच्च कुरुते सेवाम् PAÑKĀT. I, 157. Meist am Anfang von comp. P. 2, 2, 7. Nir. 3, 18. ०स्तब्ध SUÇR. 1, 20, 15. ईषद्वैरनम्रैवा 47, 4. 129, 6. 131, 6. 163, 19. 179, 19. ईषन्मीलितलोचन VET. 13, 7. ईषत्सकास DEV. 4, 11. ईषद्वासा 7, 2. ईषत्सृष्ट AV. PRĀT. 1, 30. P. 4, 1, 9, Sch. समुप्यनीषत्पणीषम् R. 4, 7, 12, 15. ०पिङ्गल Ind. St. 2, 287, 4. ०पाणु AK. 4, 1, 4, 23. H. 1393. ईषदुल्ल 1386. ईषत्पद्म 399. ईषत्कार्यं mit geringer Arbeit verbunden: एषा (गुफा) लक्ष्मणायणानामीषत्कार्या विदारणे diese kann durch L. Pfeile leicht gesprengt werden R. 4, 54, 12. ईषत्कैर leicht zu vollbringen: त्वया सह धर्मचारिण्या मातृपितृवधा ममेपत्कार एव PRAB. 36, 6. 8, 15. ईषत्कारः कटो भवता Sch. zu P. 3, 3, 126. 2, 3, 69. 6, 2, 139. ईषत्कार klein wenig TRIK. 3, 2, 8. ईषत्वानः सोमो भवता P. 3, 3, 128, Sch. ईषन्मय, ईषत्प्रमय, ईषद्विलय P. 6, 1, 50, Vārtt. Sch. ईषल्लभ, ईषत्प्रलम्भ P. 7, 1, 67, Sch. ईषन्मय, ईषन्मयण Vop. 26, 199. ईषदाब्धंभवं भवता du kannst leicht reich werden, ईषदाब्धंभवं देवदत्तो भवता D. kann leicht durch dich reich gemacht werden P. 3, 3, 127, Sch. Ueber diese Art comp., wo ईषत् ganz wie सु gebraucht wird, s. P. 3, 3, 126. Vop. 26, 197. fgg.

ईषा f. Deichsel; du. die doppelte, gabelförmige Deichsel: मेषा वि वंर्हि मा युगं वि शारि RV. 3, 33, 17. किरणययी वं रभिरिषा अज्ञो (vgl. P. 6, 1, 127, Vārtt. 2) किरणययैः 8, 5, 29. रय ऐक्यैः 10, 133, 3. AV. 8, 8, 23. du. 11, 3, 9. ईषायुगानि 2, 8, 4. ÇAT. Br. 4, 1, 2, 12. du. 3, 9, 3, 3. ईषातरे (अनद्विक्ता) प्राज्ञाति KĀT. ÇR. 7, 9, 14. 2, 3, 14, 29. 9, 1, 5. 22, 3, 48. पाञ्चालस्य रयस्येषाम् MBh. 1, 5495. 3, 14910. 14917. निर्मद्येषो रयस्य R. 6, 69, 46. ईषादत्त adj. (von einem Elephanten) MBh. 2, 1877. 2076. H. 1223. ईषादत्त TRIK. 2, 8, 36. R. 5, 12, 31. — Die Lexicographen erklären das Wort durch Deichsel am Pfluge AK. 2, 9, 14. H. 891. an. 2, 543. MED. c. 1. ÇABDAR. im ÇKDR. (an den drei letzten Orten mit ञ). युग = ईषात्तवन्धन H. 756.

ईषाधार ईषा + आधार) m. N. pr. eines Nāga VĀJUP. 87 (ईषा०).

ईषिका f. 1) इषीका 2. H. 1195, Sch. — 2) = इषीका Pinsel; Probierstäbchen AK. 2, 10, 33. H. 920. — 3) = इषीका 4. RĀJAM. zu AK. 2, 8, 2, 6. ÇKDR. H. 1223.